20-12-2018

प्रेस विज्ञप्ति

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग ने अपने 67वें स्थापना दिवस एवं 11वें प्रोफेसर ए0एन0 श्रीवास्तव वार्षिक ऑरेशन का आयोजन आज दिनांक 20 दिसंबर 2018 को किया। स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के0जी0एम0यू0 के माननीय कुलपति प्रोफेसर एम0एल0बी0 भट्ट, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जी0के0सिंह, विभाग के सरंक्षक डॉ0 यू0के0जैन तथा डॉ0 ओ0पी0 सिंह के साथ विश्वविद्यालय के अन्य गणमान्य अधिकारियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

इस अवसर पर 11वां प्रोफेसर ए0एन0 श्रीवास्तव वार्षिक ऑरेशन एक महान शिक्षक और पूर्व प्रोफेसर एवं आर्थोपेडिक सर्जरी के प्रमुख की याद में आयोजित किया गया। इस ऑरेशन को डॉ0 मनदीप एस0 ढिल्लन, प्रोफेसर एंड हेड, आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग, हेड शारीरिक चिकित्सा विभाग और पुनर्वास और प्रभारी विभाग, स्पोर्ट चोट क्लिनिक, पी0जी0आई0एम0ई0आर0 चंडीगढ़ द्वारा किया गया।

इस अवसर पर व्याख्यान के शीर्षक (Evidence Based Medicine- Do We Really Understand It) के बारे में चर्चा करते हुए डॉ0 मनदीप सिंह ढिल्लन ने कहा कि डाक्टर्स को अपने अनुभव के आधार पर मरीज का इलाज करना चाहिए। हमें यह निश्चित करना है कि कौन सा एविडेंस मजबूत है और कौन सा नहीं। हर मरीज की स्थिति अलग–अलग होती है, इस बात को ध्यान में रखकर ही मरीज का इलाज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशों में पब्लिश हुए हर एविडेंस पर हमें आंख बंद कर के नहीं मानना चाहिए। हमें अपने अनुभव के आधार पर इलाज करना चाहिए।

इस अवसर पर के0जी0एम0यू0 के माननीय कुलपति प्रोफेसर एम0 एल0 बी0 भट्ट ने आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग को के0जी0एम0यू0 का गौरव बताते हुए कहा कि इस विभाग ने अपनी उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा के माध्यम से तमाम रोगियों के जीवन को बेहतर बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अपने इसी सेवा भाव से किए गए कार्यो की वजह से के0जी0एम0यू0 का आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग मौजूदा समय में देश के श्रेष्ठ आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग में से एक है।

इससे पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0जी0के0सिंह ने विभाग की वार्षिक रिपोर्ट पेश करते हुए विभाग के एक संक्षिप्त इतिहास, गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी

दी। उन्होंने बताया कि आर्थोपेडिक सर्जरी विभाग में चार नए विभाग की शुरूआत होने वाली है, जिसमें से दो नए विभाग पीडियाट्रिक आर्थोपेडिक एवं स्पोर्ट्स मेडिसन विभाग शुरू किए जा चुके है तथा बाकी के दो अन्य विभाग स्पाइनल सर्जरी एवं आरर्थोप्लास्टी विभाग जल्द ही शुरू किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने जानकारी दी कि यह चारो विभागों में रोगियों के लिए 60–60 बेड की व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि स्पाइनल सर्जरी विभाग प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का इकलौता व पहला विभाग होगा, जहां रीढ़ की हड्डी की बीमारी से पीड़ित मरीजों का इलाज हो सकेगा।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ0 जी0 के0 सिंह के अपने पद से सेवानिवृत्ति होने पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 एम0 एल0 बी0 भट्ट जी एवं विभाग के अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा उन्हें प्रतीकचिन्ह के रूप में भगवान हनुमान की मूर्ति देकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर स्थापना दिवस समारोह के संयोजक डॉ0 आर0 एन0 श्रीवास्तव ने वक्ता परिचय एवं समारोह के अतिथियों को प्रतीकचिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ऐरा मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन प्रो0 अब्बास अली मेहदी, प्रो0 आर0 एन0 श्रीवास्तव, प्रो0 गिरिश शर्मा, प्रो0 ओ0 पी0 सिंह, प्रो0 यू0 के0 जैन, प्रो0 संतोष कुमार, डॉ0 अजय सिंह, डॉ0 मुकेश उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो0 आशीष कुमार ने समारोह में उपस्थित अतिथिगण को धन्यवाद दिया।